

चंद्रशेखर के समर्थकों ने ही प्रयागराज में तोड़फोड़ आगजनी की ,पुलिस का दावा- 55 अरेस्ट, 550 की तलाश, आजाद बोले- उपद्रवी मेरी पार्टी के नहीं

प्रयागराज। रविवार को 5 घंटे तक बवाल हुआ। प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने 3 कारों और 15 बाइकों में तोड़फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। करछना-कोहड़ार रूट को जाम कर दिया गया।

चंद्रशेखर के समर्थकों ने करछना-कोहड़ार रूट पर हंगामा शुरू कर दिया। भुंडा चौकी के पास जाम लगा दिया गया। एक घंटे के अंदर चार थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। इसके बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर

बसपा की कमेटियों को पहले ही पुलिस प्रयागराज में रोक चुकी है। जब चंद्रशेखर वहां जाने पर अड़े तो पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी। उन्हें सर्किट हाउस में हाउस अरेस्ट कर लिया। सर्किट हाउस के बाहर



पथराव में भुंडा चौकी प्रभारी समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बवाल करने वाले 55 लड़कों को पकड़ा, जिनमें 7 नाबालिग भी हैं। 30 जून को पुलिस ने इन उपद्रवियों के विजुअल जारी किए। इनमें गाड़ियों को तोड़ते और आग लगाते लड़के माफी मांगते हुए दिखाई दे रहे। इस बवाल के बाद यूपी की सियासत को गरमाने वाले दो बयान सामने आए। पहला - चंद्रशेखर आजाद ने कहा- उपद्रव करने वाले लोग आजाद समाज पार्टी के नहीं थे, ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। दूसरा - डीसीपी विवेक चंद यादव ने कहा- लड़कल करने वाले ज्यादातर लोग भीम आर्मी से जुड़े हैं। पूछताछ और अन्य साक्ष्य सामने आए हैं। अब पुलिस वीडियो और तस्वीरों में दिख रहे 550 अन्य उपद्रवियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने केस डायरी में बयानों की वीडियोग्राफी भी शामिल की है। इन बयानों के बाद प्रयागराज के 15 गांवों में चंद्रशेखर को लेकर नाराजगी है। लोगों ने बिना कैमरे पर आए कहा- हमारे बच्चे जिस पार्टी के लिए सड़क पर उतरे, उसके नेता ने पल्ला ही झाड़ लिया। 29 जून को सुबह 11:40 बजे चंद्रशेखर प्रयागराज पहुंचे। लॉ एंड ऑर्डर का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया। समर्थकों के साथ सर्किट हाउस ले जाया गया। यहां चंद्रशेखर अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर,

कैमिकल के जरिए पकाए जा रहे आम के अधिक सेवन से हो सकता है नुकसान

प्रयागराज। गर्मी के मौसम में आम से बनी कई चीजें लोगों को लुभाती हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि इतनी भारी मात्रा में बाजारों में बिकने वाला

रासायनिक का प्रयोग आम को पकाने में नहीं किया जाता। भारत सरकार से मान्यता प्राप्त कैमिकल का उपयोग ही किया जा रहा है। हालांकि दबे जवान

कैमिकल का पैकेट लगा दिया जाता है। इसी प्रकार प्रत्येक लेयर में आम रखने के साथ कैमिकल का पैकेट रख दिया जाता है। इसके बाद उसे ऐसी



पका हुआ आम, आखिर कैसे आपके घर तक पहुंचता है। अगर प्रयागराज की बात करें तो जिले में प्रतिदिन मंडी से करीब 18 कुंतल आम बाजारों में जाता है। ऐसे में आम की खपत का अंदाजा लगाया जा सकता है। आम को पकाने के लिए मंडी में व्यापारी अलग-अलग प्रकार के कैमिकल का प्रयोग करते हैं। जो शरीर वेंग लिए कई मायने में नुकसानदायक होता है। इस बारे में खाद्य विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता है। जिसके कारण यह व्यवसाय लगातार फल-फूल रहा है। नविन गल्ला मंडी एक व्यापारि ने बताया कि अब पहले की तरह हानिकारक

में वह यह भी कहते हैं कि कुछ व्यापारी अभी भी इसकी आड़ में हानिकारक कैमिकल का उपयोग करते हैं।कच्चे आम को मंडी में पकाकर उसको बाजार में बेचने के तरीके के बारे में जानकारी देते हुए मुंडेरा मंडी के थोक विक्रेता और व्यवसायी अब्दुल अजीज बताते हैं कि किसान से आने वाला आम पहले मंडी में पंखा लगाकर सुखाया जाता है। उसके बाद से कैंरेट में रखा जाता है। कैंरेट में रखने से पहले कैंरेट को एयरप्रूव किया जाता है। जिससे आम को बाहर की हवा ना लग सके। उसके बाद चार लेयर में आम को रखा जाता है। एक लेयर रखने के बाद उसमें

जगह रखा जाता है, जहां हवा का संपर्क कम रहे। तीन से चार दिन के अंदर आम पक कर तैयार हो जाता है। जिसके बाद उसे फुटकर व्यापारियों को बेंच दिया जाता है।मुंडेरा मंडी के कई फल विक्रेताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अभी भी फल पकाने में कई व्यापारी कारबाइड का प्रयोग करते हैं। जो पूरी तरह से इन लीगल है। हालांकि इसका उपयोग करने वाले व्यापारियों की संख्या काफी सीमित है। फिर भी मार्केट में कारबाइड से पके आम की सफा़इ लगातार बनी हुई है। जो सेहत पर सीधे असर डालती है। कारबाइड से पके आम स्वाद से ज्यादा सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

प्रयागराज/आस-पास मौत,ईंट-भट्टे के पास गड्डे में कागज की नाव छोड़ते वक्त हादसा, 3 दोस्तों को बचाया

प्रयागराज। प्रयागराज के कसैयावर बमैला गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। 8 वर्षीय बच्चे की गड्डे में डूबने से मौत

के लिए तीनों दोस्त भी कूद पड़े। एक बच्चा बाहर निकलकर मदद के लिए दौड़ा। पास में खड़े एक व्यक्ति ने आकर तीन बच्चों को बचा



हो गई। मृतक की पहचान शिवांशु कनौंजिया के रूप में हुई है। शाम 6 बजे के करीब शिवांशु अपने तीन दोस्तों के साथ खेलने गया था। साथ में 10 वर्षीय आदित्य, 8 वर्षीय प्रियांशु और 8 वर्षीय नन्ही भारतीय थे। बच्चे घर से 400 मीटर दूर एक ईंट भट्टे के पास गए। वहां वे कागज की नाव बनाकर 8 फीट गहरे गड्डे में छोड़ रहे थे। अचानक शिवांशु का पैर फिसल गया और वह गड्डे में गिर गया। उसे बचाने

लिया। लेकिन शिवांशु को बचाने में देर हो गई। शिवांशु प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं कक्षा का छात्र था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसका बड़ा भाई शिवा 12 वर्ष का और छोटा भाई दिव्यांशु 6 वर्ष का है। उसके पिता बराती लाल कनौंजिया गुजरात में एक लॉन्ड्री की दुकान पर काम करते हैं। मां संगीता देवी और परिवार के अन्य सदस्य शोक में डूबे हैं। पिता के आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रयागराज में महिला के साथ अश्लील हरकत, पड़ोसी ने निवस्त्र होकर किया अभद्र व्यवहार, पुलिस में शिकायत

प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर कस्बा राईन बस्ती में एक महिला



के साथ पड़ोसी युवक ने अभद्र व्यवहार किया है। युवक ने महिला के सामने नग्न होकर अश्लील हरकतें की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि आरोपी युवक और उसके चचेरे भाई लगातार उसे परेशान करते हैं। वे उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। जब महिला ने इसका विरोध

चचेरे भाई उसके साथ मारपीट भी करते हैं। उनके डर से उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रार्थना पत्र दिया गया है मामले की जांच की जा रही है।आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज जॉर्ज टाउन स.पा पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी का जन्मदिन मनाया गया संदीप यादव द्वारा बंधवा में दही लस्सी का भंडारा किया गया जिसमें विशेष रूप से मेहवा गेट के राजेशा यादव जी कमल निषाद जी अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मुस्लिमों पर जुल्म हो रहा, तुम्हें बदला लेना होगा ,प्रयागराज में 5 घंटे पूछताछ ,आतंकी ट्रैनिंग लेने वाली लड़की बोली-केरल में स्लीपर सेल बना रहे

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर की जिस दलित नाबालिग लड़की को 3 हजार किलोमीटर दूर केरल में 49 दिन रखा गया। उससे सोमवार को एटीएस ने 5 घंटे तक पूछताछ की। दलित लड़की को ले जाने वाले लड़के और लड़की से भी

महंगे रेस्टोरेंट से निकलते हुए देखा, हमारी तो इतनी हैसियत भी नहीं कि उसके अंदर जा सके। उसके घर आने पर डांटा, तो वह दिलकशा का नाम लेकर मुझसे ही लड़ने लगी। उसके बाद से हमने मुस्कान को घर के बाहर जाने पर



एटीएस ने सवाल-जवाब किए। एजेंसी जानना चाहती थी कि किस इस्लामिक संगठन ने लड़की को ट्रेनिंग दी। उसको कहा-कहां रखा गया? किस टॉस्क के लिए तैयार किया जा रहा था? ट्रेनिंग सेंटर से भागने वाली लड़की ने बताया- मेरी जैसी वहां और लड़कियां और बच्चे थे। सबको उर्दू-फारसी सिखाते थे। हिंदुस्तान के खिलाफ भड़काने वाली बातें होती थीं। कहते थे- मुस्लिमों पर जुल्म हो रहा। तुम्हें बदला लेना चाहिए। हमें मैप देखना बताते थे। मुझे मुस्लिमों की तरह रहना और नमाज अदा करना सीखा रहे थे, फिर मैं वहां से भाग गई।गांव में दखिल होते ही हमें एक पुलिस जोप दिख गई। उसके सामने एक दूटा हुआ घर था। जो करीब 75 वर्ग गज में बना है। दीवारों पर प्लास्टर भी नहीं था। यही घर मुस्कान (बदला हुआ नाम) का है, जिसे जीब और अच्छे पैसे का लालच देकर केरल ले जाया गया। गांव के लोगों से पता चला कि लड़की जब से वापस आई है तबसे पुलिस वाले लगातार पूछताछ कर रहे हैं। यहां हमारी मुलाकात मुस्कान के चाचा से हुई। हमने पूछा- परिवार में कौन-कौन है? उन्होंने कहा- मेरे भाई की 10 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी मनरेगा मजदूर है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, मुस्कान और उसकी छोटी बहन इस घर में रहते हैं। हमने पूछा- बेटी केरल कैसे पहुंची? उन्होंने कहा- ये सब उस दिलकशा (बदला हुआ नाम) की वजह से हुआ। मुस्कान और दिलकशा क्लास-3 से आठवीं तक साथ पढ़े हैं। यहीं 100 मीटर पर उसका भी घर है। मगर इस वक्त उसके परिवार के लोग फरार हैं। वो हमारी बेटी को लेकर महंगे-महंगे रेस्टोरेंट और होटल में जाती थी, वहां ये लोग क्या मौज मस्ती करते थे, ये तो नहीं पता, लेकिन मुस्कान का पूरा ब्रेनवॉश हो चुका था। उसके लिए दिलकशा ही सब कुछ हो गई थी। उसके अचानक लापता होने से 1 महीने पहले मैंने प्रयागराज के एक

फेलिक्स हॉस्पिटल में सम्मानित ,आपकी देखभाल, (आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-137 स्थित फेलिक्स हॉस्पिटल में मंगलवार को डॉक्टर दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में हॉस्पिटल प्रशासन ने डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए उन्हें हेथ्यकेयर हीरोज की संज्ञा दी और उनके समर्पण, सेवा व कर्तव्यनिष्ठा के लिए

होते हैं। उनका धैर्य, ज्ञान और करुणा समाज के हर वर्ग के लिए जीवनदायिनी शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में जहां स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहां डॉक्टरों का योगदान अनमोल है और वह सच्चे अर्थों में हमारे समय के नायक हैं। फेलिक्स हॉस्पिटल की मैनेजिंग

पर बैठे रहे। इस तरह से 2 दिन तक हमने सफर किया। कुछ पैसे थे, उसी से ट्रेन में आने वाला खाना खरीदकर खाते रहे।112 मई को केरल पहुंचने पर हमने उस नंबर पर कॉल किया। एक शख्स हमें लेने आया। उसकी कार में बैठकर

हम लोग 3 घंटे तक सफर करते रहे। हमें केरल के त्रिशूर जिले में ले जाया गया। वो एक पेड़ों से घिरी हुई जगह पर लेकर पहुंचा। यहां सिर्फ एक ही मकान था, जो हॉस्टल जैसा दिखता था। वहां पहले से कुछ बच्चे थे। जिन्हें तालीम देने के नाम पर रखा गया था। वहां पहुंचने के बाद मुझे कल्चर कपड़े और हिजाब दिया गया। वहां मुस्लिम कल्चर में ही हमें रहने की ट्रेनिंग दी जाने लगी, रोज एक मौलाना हमें इस्लामिक कल्चर और किताबें पढ़ाते। यहां आने के बाद मेरे सामने दिलकशा का असली चेहरा आया। वो पहले भी कुछ लड़कियों को यहां जॉब दिलाने के बहाने ला चुकी थी। केरल पहुंचने के 10वें दिन 4-5 लोग मुझसे एक कमरे में मिलने आए। उन्होंने मुझे बताया कि अगर तुम्हारी ट्रेनिंग ठीक से पूरी नहीं हुई तो तुम्हें किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट किया जाएगा। तुम्हें अल्लाह की इबादत करनी है, बड़ा काम तुम्हारे हाथों से होगा। मुस्कान ने बताया कि वो लोग कभी ये नहीं कहते थे कि आखिर करना क्या है? मुझे उर्दू पढ़ना सिखाया जाने लगा। मैप देखने का तरीका बताया गया, जैसा सेना में किया जाता है। वो मुझे लंबे समय तक भूखा रहने और सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग भी दे रहे थे। मगर मुझे ये अंदाजा हो गया था कि वो लोग कुछ गलत करना चाहते हैं। उन लोगों ने मेरा धर्म परिवर्तन करवा दिया। फिर 14 मई को मुझे जिस छोटे कमरे में रखा जाता था। उसके बगल के कमरे में मुझे एक मोबाइल मिल गया। इससे मैंने फूलपुर में अपनी मां को काल किया। उन्हें अपनी लोकेशन दी, इस मकान में रहें, वो पूरा एरिया मुस्लिम आबादी का था। फिर ताजउद्दीन ने अगले दिन हम दोनों को केरल जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया। मगर हमें टिकट नहीं दिया। सिर्फ एक पर्ची दी, जिस पर एक मोबाइल नंबर लिखा था। कहा- केरल पहुंचकर इस नंबर पर कॉल कर लेना। टीटीई के आने पर हम लोग टॉयलेट के पास वाली जगह

डॉक्टर दिवस पर स्वास्थ्य हमारा जुनून की भावना थीम

होते हैं। उनका धैर्य, ज्ञान और करुणा समाज के हर वर्ग के लिए जीवनदायिनी शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में जहां स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहां डॉक्टरों का योगदान अनमोल है और वह सच्चे अर्थों में हमारे समय के नायक हैं। फेलिक्स हॉस्पिटल की मैनेजिंग



डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने भी उपस्थित डॉक्टरों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा और त्याग की पराकाष्ठा है। समारोह के अंत में सभी डॉक्टरों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए और उनके साथ सामूहिक फोटो सेशन भी हुआ। इस अवसर पर मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सीम्या आहूजा ने डॉक्टरों के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों

हमारा जुनून की भावना की थीम पर आधारित यह आयोजन डॉक्टरों के प्रति आभार प्रकट करने और उन्हें एक खुशनुमा माहौल देने के उद्देश्य से किया गया । कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण अवार्ड सेरेमनी रही। जिसमें विभिन्न विभागों के डॉक्टरों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा फोन एंड गैसस का आयोजन भी किया गया जिसमें डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

संचारी अभियान की रैली को जिलाधिकारी महोदय ने हरी झंडी दिखा कर रवाना

स्वच्छता, रोग मुक्त जीवन, स्वस्थ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन के लिए नगरवासियों को किया गया जागरूक-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मलेरिया डेंगू डायरिया जैसी सो आशा द्वारा दिया जाएगा तथा सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 जानलेवा बीमारियों से बचाव एवं दस्त वाले बच्चों को जिक्र की गोली



सिंह ने आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के प्रांगण से संचारी अभियान की रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार द्वारा रैली के साथ-साथ पैदल चलते हुए स्वच्छता अपनाने के लिए नगरवासियों को प्रेरित किये। रैली अभियान में स्वच्छता, रोग मुक्त जीवन, स्वस्थ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन का संदेश लेकर आशा, आंगनबाड़ी, छात्र एवं सफाई कर्मियों ने नगर का भ्रमण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि

जागरूकता के उद्देश्य से 01 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान जनपद में चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि संचारी अभियान के अंतर्गत 11 विभाग आपसी समन्वय के द्वारा कार्य करेंगे। जबकि दस्तक अभियान में आशा एवं आंगनबाड़ी बहुएँ घर-घर जाकर बुखार, क्षय, मलेरिया, फाइलेरिया रोगियों की एवं कुपोषित बच्चों की सूची बनाएँगी। इस अभियान में स्टॉप डायरिया कैंपेन के अंतर्गत जिन परिवारों में बच्चे हैं उन घरों में 02 पैकेट ओ0आर0एस0 प्रति बच्चे की दर

भी दी जाएगी। रैली के पश्चात् मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में वृक्षा रोपण महाअभियान 2025 अभिनव प्रयास कार्यक्रम के अन्तर्गत नवजात शिशुओं को और उनकी माताओं को ग्रीन गोल्डन सर्टिफिकेट के साथ सागौन और सहजन का पौधा भेंट किये। अभियान में पुलिस अधीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी आर०सी०डी०एस० समस्त अपर/ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी/समस्त कर्मचारी नगर पालिका परिषद रावटसंगंज, साई नर्सिंग कालेज के छात्र-छात्राएँ, जिला मलेरिया अधिकारी व कार्यालय जिला मलेरिया अधिकारी के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपाइयों ने आम जनमानस की सेवा कर मनाया जन्मदिन,सपाइयों ने जिला अस्पताल में मरीजों को फल किए वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि पीडीए

पार्टी के वें एवऱ-एवऱ कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक

मान रहे हैं जो हर वर्ग के लोगों को एक साथ लेकर चलने का काम करते हैं। संगोष्ठी में मुख्य रूप से



वें जननायक अखिलेश यादव का जन्मदिन जिला पार्टी कार्यालय पर मनाया गया एवं जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए खरवार ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आदिवासियों के नेता हैं जो विकास की सोच रखते हैं। आज हम लोग समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। संगोष्ठी के बाद संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिन पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि आज हम लोग ऐसे महान नेताजी का जन्म दिन

पहुंचाने का काम करें और समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करें। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए खरवार ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आदिवासियों के नेता हैं जो विकास की सोच रखते हैं। आज हम लोग समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। संगोष्ठी के बाद संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिन पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि आज हम लोग ऐसे महान नेताजी का जन्म दिन

जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी राम भरोसे सिंह पटेल अनिल कुमारा यादव वेदमनी शुक्ला राम प्यारे सिंह पटेल सुरेश यादव सुनील गौड़ अनिल प्रधान सरदार पारब्रह्म सिंह अशोक पटेल वृषा शंकर चौहान रमेश सिंह यादव गीता गौर डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल पारुक अली जिलानी जयप्रकाश शुक्ला हिदायतुल्ला खान आनंद पटेल रमेश कुमार वर्मा बिंदु यादव मिथिलेश सिंह प्रदीप यादव लालू भारती विमलेश सिंह कामरान उल्ला खान दीपक कैसरी विष्णु कुशवाहा वीरेंद्र यादव अखिलेश जिज्ञासु डॉक्टर राम नरेश रमजान अली सुजीत सोनी परशुराम यादव राजमणि दीपक विनोद के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बारिश में भीगते हुए समाजवादी युवजन सभा के पदाधिकारियों ने वृक्षरोपण कर मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विपिन श्रीवास्तव ने कहा कि आज श्री

2027 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की सरकार बनाएंगे व पार्टी की



अखिलेश यादव जी का 52 वा जन्मदिन पूरे देश में मनाया जा रहा है जहाँ हर जिले में कार्यकर्ता अपने तरीकों से राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के सिद्धांतों को जनता के बीच में पहुंचाकर जन्मदिन मना रहे हैं। अतः ऐसे में आज समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. फ़हद का भी जन्मदिन है तो ऐसे में विपिन श्रीवास्तव के नेतृत्व में मौके पर 52 पेड़ लगा कर श्री अखिलेश यादव व मो. फ़हद जी की लंबी आयु की कामना करते हुए

सभी नीतियों को जन.जन.तक पहुंचाने का कार्य करेंगे व आने वाले समय में भाजपा को उखाड़ फेंकना ही एक मात्र लक्ष्य है कार्यकर्ता इस पर अभी से जुट गए हैं और वो दिन दूर नहीं जब श्री अखिलेश यादव जी का 54वा जन्मदिन उत्तरप्रदेश में उनके मुख्यमंत्री रहते हुए सभी कार्यकर्ता एक जुट होकर मनाएंगे

युवजन सभा के सभी कार्यकर्ता व नेता व पार्टी के सभी नेता सपथ लेते हैं कि

इस मौके पर युवजन सभा जिलाउपाध्यक्ष अजय कुमार..नगर अध्यक्ष महेश पनिका..नगर सचिव दीपक सािनादर..आवाजश गुप्ता..प्रियांशु सिंह..विजय कुमार..अजय पासवान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद थे

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व माँ की हत्या कर फरार चल रहे एवं 25 हजार रुपये के पुरस्कार घोषित अपराधी को ओबरा पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 07.04.2024 को थाना ओबरा क्षेत्र अन्तर्गत बिल्ली

गिरफ्तारी न होने पर कुर्की की कार्यवाही करने के पश्चात अभियुक्त खेदू भुईया के विरुद्ध आरोप पत्र



रेलवे स्टेशन के पास अभियुक्त खेदू भुईया पुत्र स्व० लोटन भुईया निवासी पाण्डेयपुर थाना पाटन जिला पलामू झारखण्ड द्वारा घरेलू विवाद में अपनी सभी माँ श्री मती पुचिया देवी उम्र करीब 54 वर्ष की हत्या कर के मौके से फरार हो गया था। इस सम्बन्ध में ०५0३०सं०- 59/2024 धारा 304 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किया गया किन्तु

मा० न्यायालय में प्रेषित किया गया था और अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पूर्व में 25000/रु० का पुरस्कार घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देश के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना ओबरा की पुलिस टीम ने अथक प्रयास से आज दिनांक

01.07.2025 को फरार चल रहे एवं 25000/ रूपये पुरस्कार घोषित अभियुक्त खेदू भुईया पुत्र स्व० लोटन भुईया निवासी पाण्डेयपुर थाना पाटन जिला पलामू झारखण्ड उम्र करीब 32 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन बिल्ली के पास से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- 1.खेदू भुईया पुत्र स्व० लोटन भुईया निवासी पाण्डेयपुर थाना पाटन जिला पलामू झारखण्ड उम्र करीब 32 वर्ष।आपराधिक इतिहास- 1.मु०अ०सं० 138/2025 धारा 326(ु), 351(2) बीएनएस थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1.प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2.उ०नि० विष्णु प्रभा सिंह थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3.उ०नि० राम सिंह यादव थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 4.हे०का० सतोष कुमार पटेल, का० प्रवीण राय, का० राहुल गौड़, महिला आरक्षी रीनु, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।

स्कूलों के नए सत्र की शुरुआत, जिलाधिकारी ने बच्चों का स्वागत करते हुए दी बधाई,नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक जाएँ घर-घर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बेसिक शिक्षा विभाग में आज से गमी की छुट्टियों के बाद सत्र शुरू हो गया है। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूल चलो अभियान, नामांकन मेला

कहा कि स्कूलों चलो अभियान के माध्यम से विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य व मां समूह के सदस्य घर-घर जाएंगे। वहीं, बेसिक शिक्षा अधिकारी शिबेंद्र प्रताप



और पुस्तक वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने स्कूल चलो अभियान के तहत नामांकन बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि परिपक्व विद्यालयों की स्थिति बेहतर हुई है। उन्होंने

सिंह ने राही ब्लॉक के कम्पोजिट विद्यालय झकरासी में बच्चों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। पहले दिन विद्यालय खुलने पर बच्चों का रेली-चंदन लगाकर स्वागत किया जाएगा।

एनएचएम कर्मचारियों के स्थानांतरण , पांच मांगों पर बनी सहमति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 30प्र०राष्ट्रीय स्वास्थ्य

सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ उप मुख्यमंत्री बुजेश पाठक से वार्ता



मिशन संविदा कर्मचारी संघ(रज़ि०) के बैनर तले प्रदेश अध्यक्ष मयंक प्रताप सिंह के नेतृत्व में अपनी 7 सूत्रीय लखित मांगों को पूरा न किये जाने को लेकर प्रदेश भर से हजारों की संख्या में पहुंचे एनएचएम कर्मचारियों ने उप मुख्यमंत्री बुजेश पाठक के आवास का घेराव करके अपना विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। जिसके दौरान संगठन के 7

हुई जिसमें उन्होंने 7 मांगों में से कुल निम्न 5 मांगों पर अपनी सहमति व्यक्त की जिनमें अंतर्जनपदीय स्थानांतरण को मंजूरी देते हुये कहा तत्काल फाइल मंगाई है और एक-दो दिन के अंदर स्थानांतरण का पत्र जारी करने को बोला, डाटा इंट्री ऑपरेटर के समायोजन, स्वास्थ्य बीमा, दायरा और ईपीएफ को आज शाम तक प्रमुख

के लिए कहा और संगठन को ये भी आश्वासन दिया कि आप अपनी मांगों को अंतर्जनपदीय स्थानांतरण आकर सीधे पता कर सकते हैं। प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश अध्यक्ष मयंक ठाकुर, प्रदेश महामंत्री आदित्य भारतीय, उपाध्यक्ष राम प्रताप सिंह,रविन्द्र राठी, सत्येन्द्र पांडेय, पुष्पेन्द्र शुक्ला व रविन्द्र शुक्ला उपस्थित रहे।

डॉक्टर एक पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की अनुपमा, पंचशील मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल छपका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पंचशील मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल छपका स्थित परिसर में मंगलवार को हॉस्पिट डायरेक्टर पवित मोर्चा ने डॉक्टर्स डे पर डाक्टरों को आम्रवस्तु पुष्प गुच्छ करते हुए केक काट कर धूम धाम से मनाया गया डॉक्टर्स डे। वहीं मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए डॉ अनुपमा मौर्या ने बताया कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी सेवा है। हर साल डॉक्टर्स के

समर्पण और योगदान को सम्मान देने के लिए डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिन साल में दो बार मनाते हैं, एक राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे (डॉक्टर्स डे एक ऐसा दिन है जो हमें याद दिलाता है कि डॉक्टर्स हमारे जीवन के अन्दरेखे रक्षक हैं। चाहे वो राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाए या वैश्विक, उनका योगदान हर सीमा से परे है। दोनों दिनों को मनाने का उद्देश्य एक ही है, चिकित्सकों का सम्मान। लेकिन इन दोनों चिकित्सक दिवस को मनाने

की तारीख, इतिहास और आयोजन का स्तर अलग होता है। वहीं डॉ अनुपमा मौर्या ने बताया कि राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे भारत में मनाया जाता है। हर साल राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे 1 जुलाई को मनाते हैं। यह दिन भारत के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. विधान चंद्र रॉय की याद में डॉक्टरों को समर्पित किया गया।इस दौरान डायरेक्टर पवित मोर्चा ने कहा कि देशभर में डॉक्टरों को सम्मानित किया जाता है।

छुट्टियों के बाद लौटी रौनक माँ वैष्णों मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मना 'प्रवेश उत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गर्मियों की लंबी छुट्टियों के

बादलों की ओट से झांकती सूरज की किरणें मानो शिक्षा की इस नई शुरुआत

में पलते हैं। यह शिक्षा की एक नई यात्रा का पहला कदम है।' विद्यालय प्रबंधक



बाद माँ वैष्णों मॉडर्न पब्लिक स्कूल रावटसंगंज में आज पुनः विद्यार्थियों की चहल-पहल लौट आई। विद्यालय खुलते ही परिसर एक बार फिर से मुस्कान, उत्साह और उमंग से भर गया। इस शुभ अवसर को 'प्रवेश उत्सव' के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रकृति मानो स्वयं इस अवसर की साक्षी बनी। हल्की फुहारों से नहाई धरती, ताजगी से महकती हवाएं और

पर आशीर्वाद बरसा रही थीं। चारों ओर हरियाली का वह दृश्य, जैसे हर पौधा बच्चों के ज्ञान की यात्रा में सहभागी बनना चाहता हो। पत्तों की सरसराहट मानो कह रही हो 'सिखते चलो, बढ़ते चलो।' विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्यदेव कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'प्रवेश उत्सव केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह उन सपनों की शुरुआत है, जो हर विद्यार्थी की आंखों

रमाशंकर दुबे जी ने भी अपने प्रेरणादायक शब्दों में शिक्षा को जीवन का आधार बताया और सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की दीवारों ने जैसे फिर से जीवन पाया और हर कोना बच्चों की किलकिरियों से गुंज उठा। शिक्षकों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

**मानसून का मौसम है बीमारियों का घर
बढ़ता बैक्टीरिया और वायरस इन्फेक्शन का रिस्क**

नयाँ दिल्ली। मानसून में बारिश की बुद्धि गर्मी से राहत तो देती हैं, लेकिन यह अपने साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम्स भी लेकर आती हैं। हवा में नमी और उमस फंगस और बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों के लिए अनुकूल वातावरण हैं। ये सूक्ष्मजीव त्वचा, रेस्पिरेटरी तंत्र और पाचन तंत्र पर आक्रमण कर सकते हैं, जिससे कई तरह के इन्फेक्शन हो सकते हैं। बरसात के मौसम में हवा में नमी का लेवल बढ़ जाता है। यह फंगस और बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों के लिए अपना कुनबा बढ़ाने के खातिर आदर्श परिस्थितियाँ हैं। फंगस के बीजाणु हवा में फैलते हैं और नम सतहों, जैसे गीले कपड़े, जूते या घर की दीवारों पर आसानी से जमा जाते हैं। बैक्टीरिया भी नमी और गर्मी में तेजी से बढ़ते



मौजूद होती हैं। यही कारण है कि बारिश में रिकन और रेस्परेटरी संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। एथलीट्स फुट यह पैरों की त्वचा पर होने वाला फंगल इन्फेक्शन है, जो मुख्य रूप से पैरों की उंगलियों के बीच होता है। यह तब होता है जब पैर लंबे समय तक नम बने रहते हैं। लक्षण: तेज खुजली, लालिमा, त्वचा का छिलना और कभी-कभी दर्द या जलना। रोगावर्धक यह त्वचा पर गोलाकार दाग के रूप में प्रकट होता है, जो इर्मटोफाइट्स फंगस के कारण होता है। यह एक-दूसरे को छूने से फैल सकता है। लक्षण: गोल, लाल दाग जिनके किनारे उभरे हुए होते हैं, बीच में हल्का रंग और लगातार खुजली। कौम इच यह कमर, जांघों और जंक पर होने वाला फंगल इन्फेक्शन है, जो पसीने और नमी के कारण बढ़ता है। लक्षण: लालिमा, तेज खुजली, त्वचा का छिलना और कभी-कभी बड़बूत (क्लेबेजाइन) कैंडिडिआसिस या महिलाओं की वेजाइन में कैंडिडा फंगस के कारण होने वाला इन्फेक्शन है, जो नमी और गर्मी में बढ़ता है। लक्षण: तेज खुजली, सफेद गाढ़ा साव, जलन और असहजता। रेस्परेटरी फंगल इन्फेक्शन यह फेफड़ों में होने वाला फंगल इन्फेक्शन है, जो हवा में मौजूद फंगस के बीजाणुओं से होता है। लक्षण: कमजोर इन्सुलिन सिस्टम वाले लोग अधिक प्रभावित होते हैं। लक्षण: लगातार खांसी, सांस लेने में कठिनाई, बुखार और थकान। बैक्टीरियल इन्फेक्शन गैस्ट्रोएंटेराइटिस यह दुर्घित भोजन

फायर सेफ्टी उल्लंघन पर
चिन्नास्वामी स्टेडियम की बिजली कटी

बैंगलुरु। बैंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम की सोमवार को बिजली काट दी गई। यह कदम बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी



सर्लाई बॅन्नी लिमिटेड ने इसलिये उठाया
राज्यीक स्ट्रेडियम को बालनो वाली कर्नाटक
जर्जरी क्रिकेट संघ ने फायर सेफ्टी के
जर्जरी निर्यातो का पालन नही किया
था। स्ट्रेडियम में बड़े मैच और कार्यक्रम
होते हैं। लेकिन इसके बावजूद स्ट्रेडियम
प्रबंधन ने अग्नि सुरक्षा की कंजरी नही
ली थी। इसे देखते हुए कर्नाटक
अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने केएससीए
की बिजली कटने की सिफारिश की।
ने जुर पर बीईएससीओएम में अधिकारी
को तुरंत कार्रवाई की। ऐसे में अब तक
स्ट्रेडियम को जर्जरी सुरक्षा सर्टिफिकेट
नही मिल जाता, तब तक बिजली सर्लाई
बंद रहेगी। 10 जून को फायर डे
इंस्पेक्सीसीओएम के महानिदेशक ने
बीईएससीओएम को एक पत्र लिखा था,
जिसमें बताया गया था कि कर्नाटक
स्ट्रेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए)
को कई बार स्ट्रेडियम में जर्जरी फायर
सुरक्षा उपाय करने को कहा गया था।
केएससीए ने इस मामले में एक हप्ते

या पानी के सेवन से होने वाला बैक्टीरियल इन्फेक्शन है, जो पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। लक्षण: पानी जैसे दस्त, उल्टी, पेट में मरोड़ और हल्का बुखार। टाइफाइड यह सैल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया से होने वाली डिजीज है, जो दूषित भोजन

या पानी से फैलता है। लक्ष्मण: लंबे समय तक बुखार, कमजोरी, पेट में दर्द, सिरदर्द और भूख न लगना। कॉलरा यह वाइब्रियो कोलेरा बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है, जो तेजी से डिहाइड्रेशन का कारण बनता है। लक्ष्मण: अचानक और गंभीर पानी जैसे दस्त, उल्टी, तेज प्यास और मांसपेशियों में ऐंड़ें। डॉ. ऋषिकेश देसाई कहते हैं कि कुछ आसानी या अपनकर आप बरसात के मौसम में फंगल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन से बच सकते हैं। इन उपायों के पीछे का विज्ञान भी समझिए ताकि आपकी सफाई से लेकर और बेहतर बन सके। १. रोजाना नहाएं और त्वचा को सूखा रखें गुनगुने पानी और हल्के साबुन से सिकाएं। नहाने के बाद तौलिए से नहाने को अच्छी तरह सुखाएं, खासकर उंगलियों के बीच का पानी अच्छे से पोछ लें। २. कौन्ती के ढीले कपड़े पहनें सिंथेटिक कपड़े नमी को त्वचा के पास रोकते हैं, जिससे फंगल इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। कौन्ती हवा का संचार बनाए रखता है और नमी को जल्दी सुखने देता है। ३. पैरों को साबुन और सूखे रखें रोजाना पैरों को साबुन से धोएं, उंगलियों के बीच अच्छी तरह पानी सुखाएं और जरूरत हो एंटीफंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। पैरों में जमा नमी एथलीट्स फुट का कारण बनती है। सूखे और साफ पैर फंगस को नहीं पनपने देते हैं। ४. गीली जगहों पर जूते पहनकर निकलें गीली सड़कों, जूते

का समय मांगा था, लेकिन समय सीमा के बाद भी जरूरी सुधार नहीं किए। इस साल हुए आईपीएल मुकाबले

स्टेडियम में बिना उचित फायर सेफ्टी मापदंडों के आयोजित किए गए। हजारों दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया था। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया, आईपीएल में ऑफिशियल आरसीबी के विक्टरी सेलिब्रेशन के दिन हुई भगदड़ में भी अग्नि सुरक्षा नियमों का ध्यान नहीं रखा गया था। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। 4 जून को बेंगलुरु में शमा स्वीटी स्ट्रेडियम के बाहर शमा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 खिताब जीतने की खुशी में विक्टरी परेडिंग निकाली गई। स्टेडियम में घुसने को कोशिश में कई लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश की। एंट्री गेट पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। सड़क पर लाइनों के लोग जमा थे। इस दौरान भगदड़ में मच गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए थे।

या सावर्जनिक शांचालयां में खबर सेंडल या वाटरप्रूफ जूते पहनें। नंगे पैर चलने से त्वचा सीधे फंगस और बैक्टीरिया के संपर्क में आती है। जूते एक सुरक्षात्मक परत की तरह काम करते हैं। 5. घर को साफ और सूखा रखें बाथरूम और

साई को कीटाणुरहित करें। डी-ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें और तैलिए, चादरें बार-बार धोकर सुखाएं। मन और गंदे स्थान सूक्ष्मजीवों के लिए प्रजनन स्थल होते हैं। सूखा वातावरण उनकी प्रोथ नहीं होने देता है। 16. तैलिए और जूते शेयर न करें अपने तैलिए, मौज, जूते या नेल-कटर व्यक्तिगत रखें। फंगल इन्फेक्शन सर्क से फैलते हैं। व्यक्तिगत सामान का उपयोग इस जोखिम को कम करता है। 7. एटीफंगल क्रीम या पाउडर का उपयोग करें त्वचा पर खुजली या लालिमा होने पर अगर-दा काउंटर एटीफंगल प्रोडक्ट लगाएं। गंभीर स्थिति में डॉक्टर से मिलें। ये प्रोडक्ट फंगस की सेल्स को नष्ट करते हैं, जिससे उनका विकास रुक जाता है। 8. फल, सब्जियां और दही खाएं ताजे फल, हरी सब्जियां और प्रोबायोटिक्स युक्त दही को भोजन में शामिल करें। विटामिन और मिनरल्स इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। प्रोबायोटिक्स आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जो इन्फेक्शन से लड़ते हैं। 9. उबला हुआ पानी पिएं पानी को 10 मिनट तक उबालें या फिल्टर करें। बहने वाला पानी ड्रिप्स और जूस से बचें। पानी उबालने से बैक्टीरिया पर जाते हैं, जिससे टाइफाइड और कोलरा जैसे बीमारियां का खतरा कम होता है। 10. मच्छरों से बचाव करें मच्छर भगाने वाली क्रीम, नेट या कॉइल्लर का उपयोग करें। पानी जमा न होने दें। मच्छर मलेरिया और डेंगू फैलाते हैं। जू, जो इम्यूनिको को कमजोर करते हैं और अन्य इन्फेक्शन का जोखिम

कहते हैं। 11. स्विन को मांस्टराइन करे नहाने के बाद हल्ला मॉइस्टराइन लगाए। सूखी त्वचा में दारारे इन्फेक्शन का प्रवेश द्वार बनती हैं। मॉइस्टराइन त्वचा को नोचुरल प्रोटेक्शन को बनाए रखती हैं। 12. वाटरप्रूफ जूते पहने बारिश में बाहर निकलते समय वाटरप्रूफ जूते या सैंडल पहनें। गीले जूते नमी बनाए रखते हैं, जो फंगस के लिए अनुकूल होता है। वाटरप्रूफ जूते पैरों को सूखा रखते हैं। 13. नियमित हेल्थ जांच कराएं असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। शुरुआती डायग्नोसिस से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। 14. लगवाएं का टीका। 15. टाइफाइड के टीके के

पारे में पूछे और उसे लगावाएँ। टीके शरीर में इंटीबॉडी बनाते हैं, जो सैल्मोनेला बैक्टीरिया से रक्षा करते हैं। 15. बीमारियों के बारे में जागरूक रहें बरसात में होने वाली बीमारियों और उनके लक्षणों की जानकारी रखें। जागरूकता से समय पर कदम उठाए जा सकते हैं, जिससे बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है। अगर इन्फेक्शन हो जाए तो क्या करें? इन्फेक्शन से बचावों को बावजूद अगर इन्फेक्शन हो जाए तो ये उपाय अपनाएं- फंगल इन्फेक्शन के लिए स्किन इन्फेक्शन: प्रभावित क्षेत्र को साफ और सूखा करें। ओवर-द-काउंटर एंटीफंगल क्रीम लगाएं। 3-4 दिन में कोई सुधार न हो तो डॉक्टर से मिलें। रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन: खांसी, सांस लेने में कठिनाई या बुखार होने पर तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। बैक्टीरियल इन्फेक्शन के लिए गैस्ट्रोएंट्राइटिस: खूब पानी और ओआएसएस यानी आरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन पिएं। दस्त या उल्टी गंभीर हो तो डॉक्टर से मिलें। टाइफाइड या कॉलरा: बुखार, कमजोरी या गंभीर दस्त होने पर तुरंत अस्पताल जाएं। ये जानलेवा हो सकता है। सही जानकारी और सावधानियां जरूरी बरसात का मौसम हैथ के लिए चुनौतियां खड़ी करता है। लेकिन सही जानकारी और सावधानियों से इनसे बचा जा सकता है। स्वच्छता, संतुलित आहार और जागरूकता के साथ आप फंगल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन से सुरक्षित रह सकते हैं। अगर गंभीर लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें।

को महिला कोच पर
तय्यार का प्राइवेट पार्ट टच
कराया-लड़कों से बात करती हूँ

कमर पर निशान बन गए। अगले दिन बेटी की फाइट थी। उसने कोच से माफी भी मांगी। साथ ही, अपनी फाइट के लिए साथ चलने के लिए कहा। इसके बावजूद कोच साथ नहीं गई। कोच ने न तो वार्मअप कराया और न दूसरे कोच को जाने दिया। दर्शकों की हूटिंग के बीच बेटी ने अकेले फाइट की। बेटी की साफ छवि को खराब करने की कोशिश की गई। महिला ने आगे कहा कि कोच ने सभी खिलाड़ियों को हॉल में लुगालु व उनके सामने बेटी का अपमान किया। कोच ने बेटी से फोन मंगवाया। बेटी के कमरे में जाते ही कोच पीछे से अंदर आई व कमरा बंद कर उसके प्राइवेट पार्ट छूने की कोशिश की। साथ ही उसके कपड़े भी निकालने की कोशिश की। बेटी ने उसे दूर धकेल दिया और शोर मचाने लगी। महिला के मुताबिक इस पर कोच ने बेटी को कई थपड़ मारे व हॉल में सबके सामने पत्र लिखने के लिए कहा। बोली लिख-मेरे पास दूसरा फोन था। मैं लड़कों से बात करती थी। जब बेटी ने यह लिखने से मना कर दिया तो उसे पीटा। उसे थपड़ मारकर जबर्न गलत बातें लिखावाई। कोच ने बेटी को धमकी देते हुए कहा कि अगर इंडिया टीम में देखती हूँ कैसे आएगी। महिला ने बताया कि बेटी के हॉस्पिटल से उसके इनर गारमेंट्स चोरी हुए। उसके बेटे में सुई भी चुभाई गई। इस कारण बेटी मानसिक रूप से परेशान हो गई। हमने ईमेल के जरिए इसकी शिकायत खेल विभाग और बॉक्सिंग फेडरेशन से भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने कहा कि एक महिला ने अपनी बेटी की कोच पर अभद्रता के आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर पॉसो समेत विभिन्न थाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

डायबिटीज में वरदान है जामुन, 5 चीजों के साथ कभी न खाएं, इसके अद्भुत फायदे, खाने का सही समय

हो और जामुन की बात न हो, ऐसा नहीं हो सकता है। मीठे-खट्टे स्वाद वाली ये बेरी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। बच्चों से



एटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। इसे खाने से पैट साफ रहता है। गैस और कब्ज जैसी समस्याएं कम होती हैं। जामुन भूख को कंट्रोल करता है। इसलि वजन घटाने में भी मददगार है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह किसी दवा से कम नहीं है। क्योंकि यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखता है। इसके अलावा जामुन स्किन के लिए भी अच्छा होता है। इसे खाने से चेहर पर नेचुरल चमक आती है और स्किन साफ दिखती है। डाइटीशियन शिल्पी गोयल बताती हैं कि जामुन खाने के तुरंत बाद कुछ चीजों का सेवन करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। खासतौर पर दूध, दही, चीज, मसालेदार खाना और खट्टी चीजें जैसे नींबू या इमली जामुन के साथ नहीं खानी चाहिए। इनका कॉम्बिनेशन पेट में गैस, अपच, एसिडिटी या एलर्जी जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। साथ ही जामुन खाने के बाद तुरंत पानी पीना भी अच्छा नहीं माना जाता क्योंकि इससे पेट में खराश या कफ बनने की संभावना बढ़ जाती है। बेहतर यही है कि जामुन खाने के बाद कम से कम

इंग्लैंड अंडर-19 ने भारत को एक विकेट से हराया, कप्तान थॉमस रियू ने 131 रन की पारी खेली, सीरीज 1-1 से बराबरी पर

नयी दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत की अंडर-19 टीम को नॉर्थम्पटन में खेले गए दूसरे वनडे मैच में एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के



साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। भारत ने पहला मुकाबला जीता था। सोमवार को खेलें गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 49 ओवर में 10 विकेट पर 290 रन बनाए। विधान महोदय ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 49.3 ओवर में नौ विकेट खोकर 291 रन बनाए कर मैच को जीत लिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे पहली गेंद पर ही आउट हो गए। एलेक्स फ्रेंच ने बोल्ल किया। खराब शुरुआत के बावजूद वैभव सूर्यवंशी और विधान महोदय ने पारी को संभाला। भारत का दूसरा विकेट 69 रन पर गिरा। सूर्यवंशी 35 गेंदों में 45 रन बना कर आउट हो गए। वहीं 119 के स्कोर पर विधान भी आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए। इसके बाद मौल्यराजसिंह चावड़ा और अभिजान कुंडु ने पारी को संभालने की कोशिश की। चावड़ा को एलेक्स फ्रेंच ने बोल्ल किया। वह 43 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए जबकि कुंडु 41 गेंदों में चार चौकी की मदद से 32 गेंदों पर बहार पोलियन लौटे। इंग्लैंड के खिलाफ राहुल कुमार और

कम 30 मिनट तक कुछ भी भारी काम या खड़ी चीज न खाएं। डायटिशियन शिल्पी गोयल के मुताबिक, जामुन में एसिड होता है और दूध में प्रोटीन। जब ये दोनों साथ जाते हैं तो पेट में रिएक्शन हो सकता है। इससे

गैस, पेट दर्द, मरोड़ या उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को इससे संक्राण पर एलर्जी भी फोड़े-फुंजी जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं। इसलिए जामुन खाने के कम-से-कम 1-2 घंटे बाद ही दूध पाना चाहिए। जामुन में कुछ ऐसेसे नेचुरल एंजाइम होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं। लेकिन अगर इस खाने के तुरंत बाद पानी पी लें तो पानी उन एंजाइमों का असर कम कर देता है। इससे पेट भारी लग सकता है। गैस या अपच की दिक्कत हो सकती है। इसलिए जामुन खाने के कम-से-कम 30 मिनट बाद ही पानी पाना चाहिए। तब तक यह अच्छे से पच सके और शरीर को पूरा फायदा मिले। इसमें नेचुरल शुगर बहुत कम होती है। इसलिए इसे खाने से ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ता है। जामुन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है, यानी ये धीरे-धीरे शुगर रिलीज करता है। इसमें कैलोरी कम और मिनरल्स ज्यादा होते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद हैं। इसीलिए जामुन खासकर गर्मियों और बरसात के मौसम में डाइबिटिक लोगों के लिए एक बेहतर और सुरक्षित फल माना जाता है। जामुन सेहतमंद फल है, लेकिन इसे किन्हीं

कनिष्क चौहान ने भी 290 तक स्कोर पहुंचाने में मदद की। राहुल ने 47 गेंदों पर 47 रन और कनिष्क चौहान ने 40 गेंदों पर 45 रन

बनाए। वहीं, आरएस अम्ब्रीश ने चार, मोहम्मद एनान ने छह, हेनरिल पटेल ने सात और युद्धजीत गुहा ने एकड़ रन बनाया। इंग्लैंड की तरफ से एलेक्स फ्रेंच ने सर्वाधिक चार विकेट लिए जबकि जैक होम और एलेक्स ग्रीन को तीन-तीन विकेट मिले। 291 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने 131 रन की पारी खेल कर टीम को दिलाई। उन्होंने 89 की गेंद पर 131 रन बनाए। इससे पहले इंग्लैंड का 3 विकेट 47 रन पर गिर गया था। जिसके बाद थॉमस रियू और रॉकी फिलिंटॉफ ने पारी का सभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 128 गेंदों पर 123 रन की पार्टनरशिप हुई। रॉकी फिलिंटॉफ ने 68 गेंदों पर 39 रन बनाए। उनके अलावा जोसफ मोर्स ने 13, राल्फी अलबर्ट ने 18, जैक होम ने तीन और एलेक्स ग्रीन ने 12 रन बनाए। भारत की तरफ से आरएस अम्ब्रीश ने चार विकेट लिए जबकि हेनरिल पटेल और युद्धजीत गुहा का दो-दो सफलताएं मिलीं। इसके अलावा कनिष्क चौहान ने एक विकेट अपने नाम किया।

मात्रा में खाना चाहिए य आपका उम्र, वजन और सेहत पर भी निर्भर करता है। अगर आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं तो एक दिन में 10 से 15 जामून तक खा सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए 10

से 12 जामुन की मात्रा सुरक्षित मानी जाती है। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है और शरीर में इंसुलिन का असर बेहतर होता है। बच्चों के लिए 4 से 5 जामुन काफी होते हैं, जबकि बुजुर्गों को भी 6 से 8 जामुन से ज्यादा नहीं खाने चाहिए क्योंकि इससे शूगर पाचन थोड़ा धीमा हो जाता है। साथ-साथ में कम मात्रा से शुरुआत करें। अगर कोई परेशानी न हो तो धीरे-धीरे बढ़ा सकते हैं। अगर आप किसी खास बीमारी से ग्रस्त हैं या दवाएं ले रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर रहेगा। डायटीशियन शर्मा गोयल बताती हैं जामुन खाने का सबसे सही समय सुबह का होता है। खासकर नाश्ते के बाद या दोपहर के खाने से पहले यानी मिड-मॉर्निंग टाइम। इस समय हमारा पाचन तंत्र सबसे ज्यादा एक्टिव रहता है, जिससे जामुन में मौजूद पोषक तत्व जैसे फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन शरीर अच्छी तरह से सोख (एब्जॉर्ब) पाते हैं। खाली पेट जामुन खाना कुछ लोगों के लिए ठीक नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद थोड़ा कसैला (थोड़ा खट्टा-कड़वा) होता है। इससे पेट में गैस, भारीपन या मरोड़ जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। रात में जामुन

बर्मिंघम टेस्ट में 3 बदलाव कर सकता है
भारत,शार्दूल और जडेजा की जगह ले सकते
हैं नीतीश और सुंदर,कुलदीप की वापसी संभव

नयी दिल्ली। भारतीय टीम बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 3 बदलाव के साथ उतर सकती है। एजबेस्टन



मैदान पर 2 जुलाई से शुरू होने जा रहे सीरीज के दूसरे मैच में टॉप ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन, अल्लरुआन शाईलू ठाकुर और खरीद जंडका को बेंच पर बैठाया जा सकता है। इनकी जगह बॅटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को मुकाबला दिया जा सकता है। कुंदीप यादव की वापसी भी हो सकती है। भारत के अडिस्टेड कोच रयान टेन डोशेन ने सोमवार को कहा था- 'एजबेस्टन में भारतीय टीम 2 स्पिनर्स को मैदान पर उतारेगी। बुमराह चयन के लिए अलेक्जेंडर नहीं, लेकिन उनके खेलने से खेल पर फैसला अगले 24 घंटों में लिया जाएगा। फिलहाल, शुभम गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर दौड़ों में 0-1 पिछड़ रही है। टीम को पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए इंडिया को दूसरा टेस्ट जीतना होगा। लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम 5 शतक के बादबूद हार गई थी। ऐसे में बॅटिंग डिफाय्टमेंट में एक बदलाव संभव है। साई सुदर्शन को बाहर बैठाया जा सकता है। उनकी जगह करण नायर को नंबर-3 पर आजमाया जा सकता है। दोनों पहली बार में खतरे नहीं खोल सकते थे, जबकि दूसरी बार में साई ने 30 और करुण नायर ने 20 रन स्कोर किए थे।इन दोनों के अलावा, मैच बॅटर्स ने नर बनाए। इसलिए शेष बल्लेबाजी में बदलाव की गुंजाइश नहीं है। आपनर यशस्वी

खाने की सलाह भी नहीं दी जाती है क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है। रात के समय इसे खाने से कफ बढ़ सकता है और कुछ लोगों को सर्दी-जुकाम या गला खराब होने की समस्या हो सकती है। इसलिए अगर जानकी का पूरा फायदा उठाना है तो इसे दिन में हल्का खाने के बाद या खाने के बीच के समय में खाएं। यही सेहत के लिए सबसे बेहतर तरीका है। जामुन के बीज भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए। इन बीजों में ऐसे नेचुरल तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। बीजों को धोकर सुखा लें और फिर पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को रोज थोड़ी मात्रा में लेने से शुगर लेवल में सुधार आ सकता है। सिर्फ

के बीज पाचन ठीक करने, पेट की जलन कम करने और यूरिन से जुड़ी परेशानियों में भी फायदेमंद माने जाते हैं। लेकिन ध्यान रखें बीज पाउडर की मात्रा सीमित रखें और इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। हां, बच्चों का जामुन खिलाना सुरक्षित है, लेकिन कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना है। खासकर जब बच्चा पहली बार जामुन खा रहा हो। 3 साल से बड़े बच्चों को ही जामुन दें और शुरुआत में सिर्फ 3 से 4 जामुन ही दें, ताकि शरीर कैसे प्रतिक्रिया देता है, यह समझा जा सके। जामुन हमेशा अच्छी तरह धोकर और बीज निकालकर ही दें ताकि बच्चा गलती से बीज न निगल ले क्योंकि इससे गला अटकने का खतरा हो सकता है। अगर बच्चा ज्यादा जामुन खा ले तो पेट दर्द, गैस, लूज मोशन या एर्रोजी जैसी दिक्कत हो सकती हैं। इसलिए हमेशा सीमित मात्रा में दें और खाने के बाद थोड़ी देर बच्चे की स्थिति पजर नजर रखें। अगर कोई परेशानी नजर आए तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सही मात्रा और सावधानी के साथ जामुन बच्चों के लिए एक हेल्दी और टेस्टी फल हो सकता है।

बदलाव कर सकता है
जा की जगह ले सकते
लदीप की वापसी संभव

जायसवाल, कैएल राहुल, शुभमन गिल ने एक-एक शतक लगाए। ऋषभ पंत ने तो दोनों पारियों में शतक

बनाया। भारतीय टीम के ऑलराउंड डिपार्टमेंट में दो बदलाव हो सकते हैं। शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रहेंगे जो मौका दिया जा सकता है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह वेंकिश्वरन सुब्रम की खिलायी जा सकता है। पिछले मैच में भारतीय ऑलराउंडर अपनी जिम्मेदारी निभाने में फिलर रहे थे। इसी कारण टीम में इंडिया को दोनों परियों में कोलेस्पा का सामना करना पड़ा। पहली पारी में भारतीय टीम ने आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बट्टें 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। भारत के गेंदबाजी विभाग में कुलदीप यादव को खिलायी जा सकता है। तेज गेंदबाजी में बदलाव होने नहीं दिख रहा है। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी लगातार दूसरे मैच में देखने को मिल सकती है। बुमराह की अगुआई वाले भारतीय तेज गेंदबाजों ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन किया था। बुमराह ने खुद पहली पारी में 5 विकेट झटके थे, लेकिन दूसरी पारी में खाली हाथ रहे। 5 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने दोनों परियों में मिलाकर 212 रन खर्च कर दिए थे, जबकि सिराज 2 विकेट ही ले सके। जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जोनी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कर्सर, जोश एंडर और शोएब बथीर।

पाकिस्तान-चीन को पाताल में भी घुसकर मारेगा...भारत बना रहा अमेरिका से भी शक्तिशाली बंकर बस्टर बम

नयी दिल्ली। हाल ही में अमेरिका में ईरान के फोर्डो परमाणु ठिकाने पर अपने बी-2 बॉम्बर

मॉडिफाइड वर्जन एक पारंपरिक हथियार होगा जो 7500 किलोग्राम के विशाल बंकर-बस्टर वारहेड ले

गया है। यह जीबीयू-57 की तरह का ही बम होगा, लेकिन संभावित रूप से कहीं अधिक पेलोड के साथ



विमानों से बंकर-बस्टर बम गिराए थे। इस हवाई हमले में ईरान के इस प्रमुख परमाणु संयंत्र को काफी नुकसान पहुंचा था। अब भारत भी बंकर बस्टर बम बना रहा है। जो कंक्रीट की मोटी परतों के नीचे दबे दुश्मन के ठिकानों को भी भेद देगा। यह बंकर बस्टर बम अग्नि-5 मिसाइल पर लगे वारहेड में लैस होगा। जानते हैं कि ये बंकर बस्टर बम कितने खतरनाक हैं।भारत का जो बंकर बस्टर बम है, वो जमीन के नीचे 80 से 100 मीटर तक दुश्मन के ठिकाने को भेदने में सक्षम हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन अग्नि-5 इंटरकांटेनेटल बैलिस्टिक मिसाइल का नया संस्करण विकसित कर रहा है। यह मूल अग्नि मिसाइल से अलग एकदम उन्नत वर्जन होगा। अग्नि-5 मिसाइल 5 हजार किलोमीटर तक मार कर सकती हैं। वहीं, अमेरिका के बंकर बस्टर बम 60-70 मीटर तक जमीन के नीचे बने बंकरों को भेदकर नष्ट कर पाते हैं।रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन अग्नि-वी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का मॉडिफाइड वर्जन बन रहा है। अग्नि-वी के ओरिजिनल वर्जन की रेंज 5000 किलोमीटर से अधिक है और यह मिसाइल आमतौर पर न्यूक्लियर वारहेड लेकर जाता है। इसका

हरियाणा रोडवेज बस के आगे फॉर्च्यूनर लगा पिस्टल लहराई,सवारियों को कुचलने की कोशिश,डिवाइडर से टकराकर पलटी,आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। हरियाणा में जींद से दिल्ली जा रही हरियाणा रोडवेज की बस के सामने दिल्ली के एक युवक ने फॉर्च्यूनर गाड़ी लगाकर पिस्टल लहराई। गोहाना-सोनीपत के बीच जब ड्राइवर ने बस रोकी, तो युवक ने सवारियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। यात्रियों ने जब युवक को पकड़ने की कोशिश की तो वह गाड़ी भगा ले गया।इस दौरान एक बाइक सवार युवक बाल-बाल बचा। कुछ दूरी पर जाकर फॉर्च्यूनर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बस में बैठी सवारियों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। ड्राइवर ने बताया कि युवक द्वारा पिस्टल लहराने से बस में बैठी सवारियां डर गईं।ड्राइवर ने इसकी शिकायत सोनीपत सदर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने गुरुग्राम निवासी मोहम्मद संजय खान को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 110 के तहत गैर इरादतन हत्या का



लिए बस निकली। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। सुबह करीब साढ़े 9 बजे जब बस गोहाना सोनीपत के बीच माछझरी गांव के पास हाईवे पर पहुंची तो एक फॉर्च्यूनर गाड़ी (एचआर 20एके0001) आ गई। युवक

मुकदमा दर्ज किया गया है। जींद बस स्टैंड से सोमवार सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर दिल्ली के

पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ मिलकर गठबंधन बना रहा चीन:साका अलायंस बनाने की तैयारी

नयी दिल्ली। भारत के खिलाफ एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) की बैठक में बेनकाब हुआ चीन एक और कूटनीतिक साजिश रच रहा



है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की बैठक के बाद ये तीनों देश साका (साउथ एशिया-चाइना अलायंस) बनाने की तैयारी में हैं। दक्षिण एशिया-चीन सहयोग पर आधारित ये संगठन सार्क (दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन) का चीनी जवाब माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में इस प्रस्तावित साका अलायंस की इस्लामाबाद में बैठक प्रस्तावित है। इसमें श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान को भी शामिल किया जा सकता है। चीन इन तीनों देशों में अपने राजदूतों के जरिए पिछले कुछ समय से कवायद छेड़े हुए है। बताया जा रहा है कि अफगानिस्तान और मालदीव इस संगठन में शामिल होने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे चुके हैं।सार्क देशों की आखिरी पूर्ण बैठक 2014 में काठमांडू में हुई थी। 2016 के बाद से ही सार्क संगठन निष्क्रिय चल रहा है। 2020 में इस्लामाबाद में विदेश मंत्रियों की बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन उरी आतंकी हमले के बाद भारत ने इसका बायकॉट किया था। तब भूटान, अफगानिस्तान और श्रीलंका ने भी आतंकवाद के विरोध में इस बैठक का बायकॉट किया था। बता दें कि चीन का सबसे ज्यादा निवेश दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा लगभग 60 अरब डॉलर पाकिस्तान में है। लिहाजा पाक ही चीन के साका का मध्यस्थ बना हुआ है।इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व जॉइंट डायरेक्ट और पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त रहे अविनाश मोहनानी के मुताबिक चीन सुपरपावर मॉडल पर काम कर रहा है। सालों से अमेरिका दुनिया में अपने ब्लॉक के देशों की संख्या बढ़ा रहा है।

लहराई,सवारियों लहराई,सवारियों

सियाराम और कंडक्टर ने खिड़की से इशारा कर गाड़ी साइड करने को कहा तो युवक ने चलती गाड़ी का शीशा नीचे कर पिस्टल लहरानी शुरू कर दी। साथ ही इशारों में कहा कि पीछे चलो। कुछ समय तक तो ड्राइवर ने गाड़ी के पीछे बस चलाई। इसके बाद उसे ओवरटेक कर लिया। मुहाना गांव के बस अड्डे पर ड्राइवर ने जब सवारियों को उतारने के लिए बस रोकी तो पीछे से युवक ने गाड़ी भगा ली। इसी साइड से सवारियां बस से उतर रही थीं। एक महिला नीचे आने से बाल-बाल बच गई। इसके बाद फिर युवक ने गाड़ी भगाई, जिसमें एक बाइक सवार युवक बच गया। उसकी गाड़ी दूसरी गाड़ी से टकराती हुई निकल गई।ड्राइवर सियाराम ने बताया कि करीब 2 किलोमीटर आगे जाकर फॉर्च्यूनर डिवाइडर से टकराकर पलट गई और रोड साइड में नीचे उतर गई। उस वक्त गाड़ी में एक ही युवक सवार था। उसने नशा किया हुआ था।

चीन सीमा विवाद पर भारत से बातचीत को तैयार,कहा- भारत के साथ जटिल सीमा विवाद है, इसे हल होने में वक्त लगेगा

जिसके तहत बॉर्डर इलाके में गश्त और चराई की इजाजत थी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हाल ही में 26 जून को किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन की



जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा। अच्छी बात यह है कि दोनों देशों ने बातचीत के लिए कई सिस्टम डेवलप किए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत भी चीन के साथ मिलकर काम करेगा और बॉर्डर इलाकों में शांति बनाए रखेगा। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने पिछले साल दिसंबर में बीजिंग दौरे पर चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 23वें दौर की स्पेशल प्रतिनिधि वार्ता की थी। इस बैठक में अक्टूबर 2024 के समझौते को लागू करने की पुष्टि की गई,

बैठक के दौरान चीनी रक्षामंत्री डोंग जुन से मिले थे। इस दौरान राजनाथ सिंह ने सुझाव दिया कि भारत और चीन को एक व्यवस्थित रोडमैप के तहत जटिल सीमा मुद्दों को हल करना चाहिए। इसमें बॉर्डर पर तनाव कम करने और बॉर्डर निर्धारण के मौजूदा सिस्टम को आगे बढ़ाने पर बात की थी। इस वार्ता का मुख्य फोकस एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर था।राजनाथ सिंह ने दोनों देशों के बीच अच्छे पड़ोसी संबंध बनाने और एशिया में स्थिरता के लिए

विविध

बिहार में आनन-फानन रु100 करोड़ की सड़क बनाई, पेड़ नहीं काटे,लाइटें भी नहीं लगाईं, लोग बोले- कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद में करीब 100 करोड़ की लागत से बनाई गई पटना-गया मेन रोड के बीच में दर्जनों पेड़ खड़े हैं। इतना ही नहीं, सड़क पर लाइट भी नहीं लगी है, ताकि रात में लोग संभलकर चल सकें। 7.48 किमी लंबी इस सड़क के बीच में मौजूद ये पेड़ आने-जाने में परेशानी का कारण होने के साथ-साथ हादसों को भी दावत दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का भी यही कहना है, जिस तरह से ये सड़क बनाई गई है, उससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।मामला पटना-गया रोड स्थित एरकी पवार ग्रिड के पास का है, जहां 100 करोड़ की लागत से सड़क चौड़ीकरण किया गया, लेकिन सड़क का ये चौड़ीकरण हादसों को न्योता दे रहा है।दरअसल, बिहार सरकार सड़क निर्माण परियोजना के तहत पटना और गया के बीच सड़क चौड़ी होनी थी। वन विभाग और पथ निर्माण निगम के बीच तालमेल की कमी के कारण दोनों ओर रोड तो बन गई, लेकिन पेड़ नहीं काटे गए। वन विभाग से पेड़ों को हटाने की अनुमति नहीं मिलने की वजह से निर्माण एजेंसी ने पेड़ों के बगल से सड़क बना डाली। नतीजा यह है कि बीच सड़क पर पेड़ खड़े हैं, जिनसे टकराकर कभी भी जान-माल की हानि हो सकती

है।पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है, पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग को

जाएंगे। सड़क विभाग की ओर से पेड़ हटाने की परमिशन मांगी गई थी। इसके एवज में वन विभाग ने



सालों पहले आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी नहीं हुआ। वन विभाग ने 14 हेक्टेयर जमीन के मुआवजे की मांग रखी, जिसे जिला प्रशासन पूरा नहीं कर सका। 'वहीं, जिला वन क्षेत्र पदाधिकारी रितुपर्णा ने बताया, 'जिला स्तर पर सिर्फ जांच की अनुमति है, जबकि अंतिम आदेश गया कार्यालय से जारी होता है। अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है।' जिला प्रशासन, वन विभाग की शर्त को पूरा नहीं कर सका, जिसका नतीजा ये हुआ कि सड़क का चौड़ीकरण कर दिया गया, लेकिन पेड़ छोड़ दिए। अब सड़क में जगह-जगह पेड़ ही पेड़ नजर आ रहे हैं।वनरक्षी नंद सिंह ने बताया, 'मेरे विभाग का नियम है कि जितने पेड़ काटा जाएंगे, उसके 3 गुना पेड़ लगाए

जिला प्रशासन से करीब 4 एकड़ जमीन मांगी थी। उसी जमीन पर पेड़ लगाए जाते, लेकिन जिला प्रशासन की ओर जमीन उपलब्ध नहीं कराई गई। इस वजह से पेड़ हटाने की परमिशन नहीं दी गई। जिला प्रशासन की तरफ से जमीन उपलब्ध कराई जाएगी तो पेड़ काटने की परमिशन दी जाएगी।' 'पर्यावरण को देखते हुए पेड़ हटाने की परमिशन नहीं दी गई है। ठेकेदार द्वारा पेड़ के दोनों तरफ सड़क का निर्माण कर दिया गया है, जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बनी हुई है।' दिन में तो वाहन चालक पेड़ों को देखकर बच निकलते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में यह पेड़ जानलेवा बन जाते हैं। इलाके में रोशनी की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। कई बाइक

जयशंकर बोले- पहलगाम आतंकी हमला एक आर्थिक युद्ध था:कहा-न्यूक्लियर ब्लैकमेल का दौर खत्म,पाकिस्तान ने बड़े हमले की धमकी दी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला एक सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। जयशंकर ने कहा, - 'यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएँ और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए।' अमेरिका के न्यूयॉर्क में न्यूजवीक मैगजीन के सीईओ देव प्रगाड़ से बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके।कार्यक्रम में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद का भारत करारा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं है।

पीएम मोदी आज से 5 देशों की यात्रा पर,पहली बार घाना, नामीबिया और त्रिनिदाद जाएंगे,ब्राजील में ब्रिक्स समिट में भी हिस्सा लेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक पांच देशों की

पीएम मोदी घाना की संसद और वहां के करीब 15,000 भारतवंशी लोगों को भी



यात्रा पर रहेंगे। पीएम मोदी इन पांच में से तीन देश घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया के दौरे पर पहली बार जाएंगे।इस विजिट की शुरुआत घाना से होगी। इसके बाद त्रिनिदाद एंड टोबैगो , अर्जेंटीना और ब्राजील जाएंगे। बाजील में ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने में मदद करेगा ताकि वहां का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हो सके। घाना इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहा है और आईएमएफ की शर्तों के तहत सुधार कर रहा है।

देशों के आपसी सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत होती है।यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी नामीबिया जाएंगे।नामीबिया में प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा होगी और 27 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का वहां दौरा हो रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नामीबिया के राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नंदैतवा से मुलाकात करेंगे और संसद को संबोधित करेंगे।

नामीबिया में प्रधानमंत्री भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को लागू करने के समझौते को आगे बढ़ाएंगे, जिससे डिजिटल पेमेंट के

सवारों की दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, हालांकि अब तक कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई है।स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है, 'सरकार की यह लापरवाही जनता की जान जोखिम में डाल रही है। सड़क बन गई, लेकिन सुरक्षा के बुनियादी मानकों को दरकिनार कर दिया गया। यह सवाल खड़ा करता है कि विकास कार्य शुरू करने से पहले तालमेल क्यों नहीं हुआ? एक राहगीर ने बताया, 'सड़क के बीच में पेड़ रहने से यहां कई हादसे हो चुके हैं। बावजूद इसके जिला प्रशासन पेड़ हटाने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं कर रहा है। अगर इन पेड़ों से टकराकर कोई बड़ी दुर्घटना हो गई और किसी की जान चली गई तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?'एजीव्यूटिव इंजीनियर धनंजय कुमार के अनुसार, 'कनौदी रिलायंस पेट्रोल पंप से मई गुमटी के 7.2किमी सड़क का निर्माण होना था। अप्रैल 2022 में शुरू हुई इस परियोजना की डेडलाइन अप्रैल 2025 थी। इसके बावजूद अब तक केवल 30फीसदी निर्माण ही पूरा हो सका है। पेड़ और अतिक्रमण सबसे बड़ी बाधा बने हुए हैं।' 'दुर्घटना से बचने के लिए सफ्टी मेजर्स का ध्यान रखा जा रहा है। रिफ्लेक्टर लगाया गया है, ड्रम भी खड़े किए गए हैं।'

स्ट्राइक की। सिर्फ 25 मिनट चले ऑपरेशन में 7 शहरों में 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए बताया कि 9 मई की रात पाकिस्तान ने भारत पर बड़ा हमला करने की धमकी दी थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। वेंस ने कहा कि अगर भारत ने शर्तें नहीं मानी तो पाकिस्तान बड़ा हमला करेगा। जयशंकर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसी भी धमकी को नजरअंदाज किया और साफ कहा कि भारत जवाब देगा। उसी रात पाकिस्तान ने हमला किया और भारत ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्री के मुताबिक वे उस समय उसी कमरे में मौजूद थे। जयशंकर ने बताया कि अगली सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन्हें कॉल करके कहा कि पाकिस्तान बातचीत करना चाहता है।

क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग बढ़ेगा। नामीबिया खनिजों से भरपूर देश है,

